बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१८२ वा रविवार २ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

मुंबई , संवाददाता,
एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया हमेशा कि तरहां सत्ता पक्ष ने इस बजट को अछा और सब के फायदे का बताया तो विरोधी दल ने इसे किसानों, युवाओं और गरिबों के खिलाफ बताया, इनकमटैक्स कि सिमा १२ लाख ताक करने पर सरकारी नौकर वर्ग खुश हुआ है, राज्य में मुख्यमंत्री फड़नीस और कांग्रेस नेता पटोले ने अपने अपने हिसाब से प्रतिक्रिया दि है.

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बजट, कहीं खुशी कही ग़म। लखपति का होगा बोझा कम ।

१२ लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं होगा, यह घोषणा भारत की अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगी: मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई, १ फरवरी (अजीज एजाज)
केंद्रीय बजट में महाराष्ट्र के लिए क्या घोषणा की गई? मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर इसकी जानकारी साझा की है।

मुख्यमंत्री ने आज एक प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि मुंबई मेट्रो के लिए १२५५.०६ करोड़ रुपये दिए गए हैं, जबकि पुणे मेट्रो के लिए ६९९.१३ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। एमएमआर के लिए ५११.४८ करोड़ रुपये, एकीकृत और सुव्यवस्थित यात्री सुविधाओं के लिए ७९२.३५ करोड़ रुपये, ४००४.३१ करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए, महाराष्ट्र एग्री-बिजनेस नेटवर्क के लिए २९५.६४ करोड़ रुपये, मुळा-मुठा नदी संवर्धन के लिए १८६.४४ करोड़ रुपये दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा है कि १२ लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं होगा। यह घोषणा भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। कृषि क्षेत्र में तेजी से निवेश किया जा रहा है। १०० जिलों में नई कृषि योजना की घोषणा और दालों व तिलहन के लिए नई योजना से किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा।

मछुआरों को बिना ब्याज वाले क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ३ लाख रुपये की जगह ५ लाख रुपये दिए जाने का बड़ा फैसला लिया गया है। एमएसएमई सेक्टर युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के लिए ऋण सीमा और कैप में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए २० करोड़ रुपये का ऋण दिया जाएगा, जिससे स्टार्टअप सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न होगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निजी निवेश को बढ़ाकर बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों को ५० वर्षों तक बिना ब्याज के इंफ्रास्ट्रक्चर लोन देने के लिए १.५ लाख करोड़ रुपये रखे हैं।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस कंपनियों में १००% एफडीआई की अनुमति दी है, जो एक बहुत बड़ा फैसला है।

नए कॉटन मिशन का सबसे अधिक लाभ महाराष्ट्र को मिलेगा। राज्य में ५५ लाख हेक्टेयर भूमि पर कपास की खेती की जाती है, जिससे कपास उत्पादक किसानों को इस मिशन से सीधा लाभ मिलेगा।

केंद्रीय बजट महज आंकड़ों का खेल, सतही रूप से आकर्षक लेकिन असल में अस्पष्ट-नाना पटोले

मोदी सरकार के बजट में किसान कर्ज माफी और समर्थन मूल्य का कोई जिक्र नहीं

मुंबई, १ फरवरी (अजीज एजाज)
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आठवीं बार केंद्रीय बजट पेश करते हुए बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन चमक-दमक के बावजूद यह बजट न तो निवेशकों को प्रभावित कर सका और न ही किसानों, व्यापारियों व आम नागरिकों को कोई राहत दे सका। किसानों के लिए कर्ज माफी का कोई ऐलान नहीं किया गया, जबकि कृषि उपज के समर्थन मूल्य पर भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने बजट को महज आंकड़ों का खेल और अस्पष्ट बताते हुए कड़ी आलोचना की।

बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए नाना पटोले ने कहा कि देशभर के किसान संकट में हैं और अपनी फसलों के उचित दाम के लिए लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन बजट में इस पर एक शब्द तक नहीं कहा गया।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या दर सबसे अधिक है, और वे कर्ज माफी की मांग कर रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये की गई, लेकिन इससे वास्तविक लाभ मिलने की संभावना कम है।

नाना पटोले ने आगे कहा कि देश में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी में भारी वृद्धि हो चुकी है, लेकिन बजट में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कोई ठोस रणनीति नजर नहीं आई।

१२ लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करने की घोषणा की गई, लेकिन इसमें भी अस्पष्टता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा भाजपा की लोकसभा में ४०० से अधिक सीटें जीतने की उम्मीद के २४० पर सिमटने के बाद की गई है, जो कि चुनावी मजबूरी का नतीजा लगती है।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को रोजगार देने वाली मनरेगा योजना के बजट में कटौती कर दी गई है, वहीं स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों के लिए भी कोई पर्याप्त धनराशि आवंटित नहीं की गई।

भाजपा ने २०१४ में हर साल २ करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन पिछले ११ वर्षों में न केवल यह वादा अधूरा रह गया, बल्कि देश को बीते ४५ वर्षों की सबसे अधिक बेरोजगारी का सामना करना पड़ा। इस बजट में रोजगार और नौकरियों को लेकर कोई स्पष्ट नीति नजर नहीं आई।

उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए घर खरीदने का सपना पूरा करने के लिए कोई विशेष रियायत नहीं दी गई, जीएसटी में कोई कटौती नहीं की गई, और कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'एक हाथ से दिया और दूसरे हाथ से ले लिया' की नीति अपनाई है।

नाना पटोले ने आगे कहा कि बजट में बिहार का बार-बार जिक्र किया गया, जबकि महाराष्ट्र समेत किसी अन्य राज्य का नाम तक नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, इसलिए बजट में जानबूझकर बिहार को प्राथमिकता दी गई।

बजट पेश होने के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखी गई, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह बजट जनता और निवेशकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने क़ायम रखी महाराष्ट्र कि शांति और शान

बूरखा पहेन कर मुस्लिम छात्राएं दे सकेगी इम्तिहान

मुंबई १फरवरी (अज़ीज़ ऐजाज)
स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने आज राज्य मंत्री नितेश राणे की उस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने १०वीं और १२वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले मुस्लिम छात्रों के लिए बुर्का पहनकर परीक्षा देने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

मंत्री दादा भुसे ने नितेश राणे को भेजे गए चार पंक्तियों के जवाब में स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता नकल मुक्त परीक्षाओं का आयोजन है।

उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि परीक्षा केंद्रों में कोई भी छात्र नकल न करे। नकल मुक्त परीक्षाएं स्कूली शिक्षा विभाग का लक्ष्य रही हैं, और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी हाल में नकल न हो, चाहे छात्र बुर्का पहनें या न पहनें।

उन्होंने आगे बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और

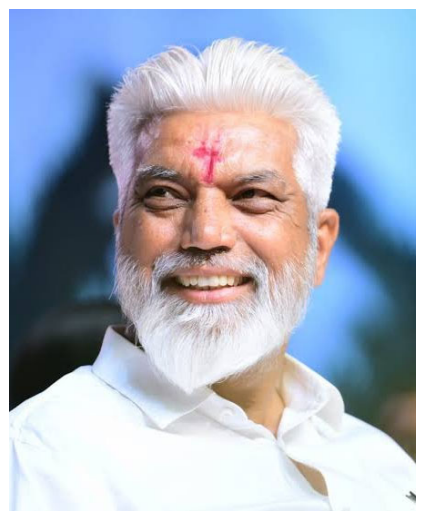

सभी केंद्रों पर भारी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके।

इसके साथ ही मंत्री ने दावा किया कि कोई भी छात्र नकल नहीं करेगा और संबंधित विभाग हर हाल में नकल मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करेगा।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भाजपा मंत्री नितेश राणे ने संभावित धोखाधड़ी की घटनाओं का हवाला देते हुए बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कक्षा में बुर्का और हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जिसकी हर तरफ से आलोचना हुई थी।

इस बीच, कई मुस्लिम संगठनों सहित अन्य मुस्लिम विधायकों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके दो डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पत्र लिखकर कहा था कि नितेश राणे की यह मांग असंवैधानिक है और उनकी विवादास्पद मांग बड़े पैमाने पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाती है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक छात्रों को उनकी शिक्षा से वंचित करना है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डडउ - १०वीं कक्षा) और (क्हउ - १२वीं कक्षा) की बोर्ड परीक्षाएं इसी महीने २१ फरवरी से शुरू होने वाली हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

‘उधार का जीवन’

फिर वही दास्तान, अकेला रहे गया बागबान

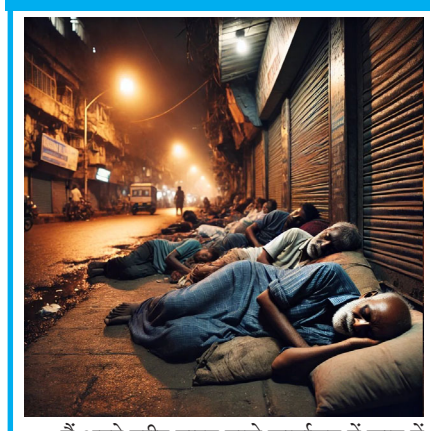

मैं अपने मरीन ड्राइव वाले कार्यालय में काम में बहुत व्यस्त था। जब घड़ी देखी, तो रात के ११ बज चुके थे। काम खत्म करके मैं बाहर निकला। हमेशा की तरह मलबार हिल में गगनभाई के घर रुकने का तय किया था। मैं टैक्सी की तलाश में सड़क पर आगे बढ़ा।

थोड़ा आगे जाने पर सड़क के किनारे एक पुलिस की गाड़ी खड़ी दिखी। उस गाड़ी से एक पुलिसवाला बाहर निकला और फुटपाथ के किनारे बड़ी सी बोरियों के पास बैठे एक व्यक्ति के पास गया। उसने उस व्यक्ति से कहा, दे दे बाबा, तंबाकू।

तंबाकू मसलते हुए पुलिसवाला बोला, अरे बाबा, तुम अभी तक जिंदा हो? यह बात घरवालों को बताई या नहीं? सामने वाले व्यक्ति ने चेहरे पर चिंता लाते हुए नहीं कहकर सिर हिला दिया।

जा रे बाबा घर जा। और कितने दिन ऐसे पहचान छुपाकर जिएगा? ऐसा कहते हुए वह पुलिस वाला गाड़ी में बैठा और गाड़ी आगे बढ़ गई।

मैं उस व्यक्ति के पास पहुंचा। यह साफ लग रहा था कि वह कुछ दबाकर जी रहा है। पास रखी पानी की बोतल की ओर इशारा करते हुए मैंने उससे पूछा, पानी मिलेगा पीने के लिए?

उस व्यक्ति ने बिना किसी देरी के बोतल मेरी ओर बढ़ा दी। पानी पीने के बाद मैंने कहा, काका, मैंने पुलिसवालों को बात करते सुना। असल में मामला क्या है?

थोड़ा घबराते हुए वह व्यक्ति बोला, कुछ नहीं साहब। वे मेरे जानने वाले हैं, इसलिए यूं ही बात कर रहे थे।

मैंने उस व्यक्ति से उसकी पहचान, वह वहां कितने दिनों से है, और उसे कितनी तनख्वाह मिलती है, इन सबके बारे में पूछना शुरू किया। मैंने अपना बैग उन बोरियों पर रखकर उसके पास बैठ गया। करीब डेढ़ घंटे बाद उसने अपना पिछला जीवन बताया, जो भयावह था। अब वह सब कुछ भूलकर मुंबई में खुशी-खुशी दिन गुजार रहा है, लेकिन फिर भी उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ झलक रही थीं।

उस व्यक्ति का नाम विनोदकुमार मिश्रा था। मिश्रा बिहार के प्राचीन शहर वैशाली में रहते थे। उन्होंने साइकिल रिक्शा चलाकर अपने तीन बेटे और दो बेटियों को पढ़ाया, उनकी शादियां कराईं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। उम्र साठ साल पार कर चुकी थी, फिर भी मिश्रा का रिक्शा चलाने का काम जारी था।

एक दिन मिश्रा के रिक्शे से स्कूल बस का एक्सीडेंट हो गया और उनका रिक्शा बड़े नाले में गिर गया। मिश्रा को बाहर निकालने में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोट आई। इसके बाद घर में बच्चों और बहुओं के बीच जिम्मेदारियों को लेकर रोज झगड़े शुरू हो गए। आखिरकार झगड़े इतने बढ़ गए कि बच्चों ने अलग-अलग रहने का फैसला कर लिया। जिन बच्चों के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन खपा दिया, उनका ऐसा बर्ताव मिश्रा के लिए असहनीय था।

एक्सीडेंट के बाद मिश्रा घर में ही पड़े रहे। धीरे-धीरे उनकी सेहत में सुधार हुआ। तभी कोरोना का कहर शुरू हो गया। मिश्रा और उनकी बेटी कावेरी दोनों सरकारी अस्पताल में भर्ती हो गए। उस समय एकदम सख्त लॉकडाउन लगा हुआ था। कई दिनों तक किसी का किसी से संपर्क नहीं हो पाया। अस्पताल में लोग मरने लगे और शवों को उठाने वाला भी कोई नहीं था।

मिश्रा और उनकी बेटी जिस सरकारी अस्पताल में भर्ती थे, वहां कई लोगों की मौत हो गई थी। मिश्रा ने बताया, जिला अस्पताल में करीब साढ़े चार सौ लोग थे। उनमें से ज्यादातर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मेरे घरवालों को लगा कि उन मृतकों में मैं और मेरी बेटी भी शामिल थे।

एक दिन ऐसा आया जब अस्पताल में कोई भी डॉक्टर नहीं आ रहा था। सरकारी कर्मचारी खाली वाहनों में आते और शवों को उठाकर ले जाते। मेरी बेटी कावेरी तीन दिन तक एक कोने में पड़ी रही। उसके निर्जीव शरीर के पास जाने की मेरी हिम्मत नहीं हो रही थी। आखिरकार मैंने उसके पैरों पर सिर रखकर जोर-जोर से रोना शुरू कर दिया। इतनी देर रोया कि आंखों के आंसू सूख गए और बदबू से नाक जलने लगी। वहां जीवित लोग भी डरावना माहौल देखकर दम तोड़ रहे थे।

जहां भी नजर जाती, वहां सिर्फ शव ही दिखाई देते थे। मेरी बेटी की मौत की खबर घरवालों को मिल चुकी थी, लेकिन यह देखने कोई नहीं आया कि मैं जीवित हूं या नहीं। आखिरकार मैं उस अस्पताल से बाहर निकल आया। घर पर अब कोई नहीं था। मेरी छोटी बेटी, जो कभी-कभार मुझे दिख जाती थी, वह भी अब इस दुनिया में नहीं थी। आत्महत्या के ख्याल लगातार दिमाग में घूमते रहे, लेकिन खुद को खत्म क्यों करूं, इसका जवाब नहीं मिल रहा था।

एक दवाई के ट्रक की मदद से मैं वैशाली के पास भगवानपुर नामक छोटे से शहर में पहुंचा। मैंने अपनी पहचान किसी को नहीं बताई और एक मंदिर में तीन महीने तक रहा। इस दौरान मैंने अपने बच्चों के बारे में जानकारी जुटाई। जब मुझे उनकी हालत के बारे में पता चला, तो मुझे बड़ा धक्का लगा।

मेरे तीनों बेटे फिर से एक हो गए थे। उन्हें यह एहसास हो गया था कि पिता ने जो कुछ सिखाया था, उसे वे भूल गए थे। पिता की आत्मा को शांति मिले, इसलिए उन्होंने फिर से एक साथ रहने का फैसला किया। मेरे पूरे परिवार ने एक बार फिर से मिलकर रहना शुरू कर दिया। यह खबर सुनकर मैं भावुक हो गया।

मुझे लगा कि अब बच्चों को अपनी जिंदगी में खुश देखकर मुझे घर लौट जाना चाहिए और उन्हें सुखद आश्चर्य देना चाहिए। लेकिन तभी उनके मन में ख्याल आया, मेरे ना होने से ही मेरे बच्चों ने एक होने का फैसला किया। अगर मैं वापस गया, तो शायद वे फिर से बिखर जाएंगे।

इस विचार ने उन्हें दो-तीन दिन तक बेचैन रखा। आखिरकार उन्होंने अपने बच्चों के पास न जाने का फैसला किया और मंदिर में ही रहने का ठान लिया। कुछ दिनों बाद, जब उन्हें वहां एक परिचित व्यक्ति दिखा, तो उनका विचार और मजबूत हो गया। उन्होंने वहां से निकलकर मुंबई का रुख किया।

मुझसे बात करते हुए मिश्रा की आंखें बार-बार भर आईं। उन्हें अपने नाती-पोतों और छोटे बच्चों की याद आ रही थी। मैंने मिश्रा से पूछा, इस उम्र में मुंबई में काम कैसे मिला?

मिश्रा ने कहा, साहब, कुछ खास नहीं। शुरू के तीन दिन होटल के बाहर भीख मांगकर खाना खाया। हमारी बिल्डिंग में रहने वाले वजीर साहब ने कहा, ‘भीख क्यों मांग रहे हो? आओ, तुम्हें काम देता हूं।’ तब से मैं यहां काम कर रहा हूं।

हमारी बातचीत के दौरान पास में सोया एक व्यक्ति उठकर बोला, बाबा, अगर यहीं मर गए तो आपका क्या होगा? अंतिम संस्कार कौन करेगा? आपके घरवालों को कौन खबर देगा?

मिश्रा शांत भाव से बोले, उनके लिए तो मैं पहले ही मर चुका हूं।

रात साढ़े ग्यारह बजे तक फुटपाथ पर सिर्फ मैं और मिश्रा थे। पिछले चार घंटों में वहां छह लोग आकर सो चुके थे। कोई विधायक निवास में जगह न मिलने से आया था, तो कोई होटल का खर्चा न उठा पाने से। कुछ लोग अगली सुबह की ट्रेन पकड़ने वाले थे और कुछ मजदूर सुबह की ड्यूटी पर जाने वाले थे।

मिश्रा ने कहा, यह भीड़ यहां रोज की है। मुंबई में शुरुआत में मुझे भी सोने में बहुत परेशानी हुई। इसलिए मैंने मालिक से निवेदन किया था कि जरूरतमंदों की थोड़ी मदद की जाए। मालिक ने कहा, ‘करो, लेकिन गेट के बाहर।’ यहां सब कुछ एक जैसा ही है-ऊपर आसमान और नीचे जमीन। जब जमीन पर सोते हैं, तो अहंकार खत्म हो जाता है।

मिश्रा की बात सुनकर मैंने कहा, आज मैं भी यहीं सोता हूं, देखते हैं नींद आती है या नहीं। मैं थोड़ा लंबा होकर लेट गया, तो मिश्रा बोले, साहब, मत सोइए यहां, मच्छर हैं। लेकिन मैंने उनकी बात नहीं सुनी। यह देखकर वे दौड़कर अपने कमरे से कपड़े की एक पोटली लाए और उसे मेरे सिर के नीचे रख दिया। उस क्षण मैंने सोचा, कैसे लोग होते हैं, जो फुटपाथ पर सोते हैं लेकिन उनका दिल आसमान जितना बड़ा होता है। ऐसा सोचते-सोचते मुझे कब नींद आ गई, पता ही नहीं चला।

सुबह उठकर देखा, तो वहां सिर्फ मैं था। मिश्रा पास में पेड़-पौधों को पानी दे रहे थे। उन्होंने दूर से ही शुभ प्रभात कहा और अपने काम में लग गए।

ऑफिस की ओर बढ़ते हुए मेरे मन में एक ही विचार था-कुछ लोग अपने परिवार और समाज के प्रति कितने संवेदनशील होते हैं! वे अपनी जिंदगी उधार लेकर दूसरों की भलाई के लिए जीते हैं। उनके व्यवहार से यही समझ आता है कि हमारा जन्म दूसरों को कुछ देने के लिए हुआ है। क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है?

Live सफ़र नामा

संदीप काले

sandip98868@gmail.com

9890098868

शिवसंग्राम जिला कार्यकारिणी भंग, शिवसंग्राम के नए जिलाध्यक्ष पद पर प्रो. सुभाष जाधव सर की नियुक्ति घोषित

अनिल घुमरे जिला महासचिव, पंडित माने बीड़ तालुकाध्यक्ष, सुहास पाटील बीड़ शहराध्यक्ष और दिनकर शेलके बीड़ तालुका उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त

बीड़ (प्रतिनिधि) -

शिवसंग्राम संगठन की बीड़ जिला कार्यकारिणी की बैठक शिवसंग्राम भवन, बीड़ में संगठन की अध्यक्ष डॉ. ज्योतिताई विनायकराव मेटे की अध्यक्षता में और प्रदेश उपाध्यक्ष श्री प्रभाकर अप्पा कोलांगड़े की प्रमुख उपस्थिति में शुक्रवार, ३० जनवरी को संपन्न हुई।

आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्था और बीड़ नगर पालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए तथा संगठन विस्तार के मद्देनजर, शिवसंग्राम की अध्यक्ष डॉ. ज्योतिताई मेटे ने जिला कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की।

इसके साथ ही प्रो. सुभाष जाधव को नए जिलाध्यक्ष, अनिल घुमरे को जिला महासचिव, पंडित माने को बीड़ तालुकाध्यक्ष, दिनकर शेलके

को बीड़ तालुका उपाध्यक्ष और सुहास पाटील को बीड़ शहराध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि शेष नियुक्तियां समय आने पर घोषित की जाएंगी।

इस दौरान, डॉ. ज्योतिताई मेटे ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी समय में संगठन के लिए पूरी मेहनत से काम करने की तैयारी रखें। हर कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पहचान कर ईमानदारी से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारियों से १००% समर्पण और कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। नगरपालिका, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों को ध्यान में रखते हुए इन नियुक्तियों को किया गया है। शिवसंग्राम संगठन आने वाले समय में नई रणनीतियां बनाएगा और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अधिकतम कार्य करेगा। बीड़ जिले में ज्यादा से ज्यादा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का संगठनात्मक नेटवर्क तैयार करना आवश्यक है। संगठन की अनुशासन का पालन करें और एक परिवार की तरह मिलकर काम करें।

उन्होंने युवाओं से कहा कि परिवर्तन लाने की हिम्मत दिखाएं, कार्यकर्ताओं में सकारात्मकता और आक्रामकता का गुण होना चाहिए। हमेशा नायक की भूमिका निभाएं, आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति की सभी सीटों पर आत्मनिर्भरता से चुनाव लड़ना है। मराठा आरक्षण, अरब सागर में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक और किसानों को पेंशन देने जैसी मांगों के लिए शिवसंग्राम आगे बढ़ेगा। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें, संगठन का झंडा गर्व से ऊंचा रखें, दी गई जिम्मेदारियों को निभाएं और संगठन को तथा खुद को मजबूत बनाएं। इस प्रकार, डॉ. ज्योतिताई मेटे ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट और प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया।

आईपीएस अधिकारी के पतिद्वारा २५ करोड़ की ठगी

मुंबई पुलिस ने दर्ज किया मामला

जमीर काज़ी

मुंबई:

महाराष्ट्र पुलिस विभाग में कार्यरत एक महिला आईपीएस अधिकारी के ठग पति की एक और धोखाधड़ी उजागर हुई है। सरकारी कोटे से घर दिलाने का झांसा देकर पुरुषोत्तम प्रभाकर चव्हाण ने २० लोगों से २५ करोड़ रुपये ठग लिए हैं। मुंबई आर्थिक अपराध शाखा ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। चव्हाण फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में है और वह होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की अधीक्षक रश्मि करंदीकर के पति हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही उनका बयान दर्ज किया जाएगा।

पहले भी २६३ करोड़ की कर धोखाधड़ी में फंसा था चव्हाण एक साल पहले ईडी ने २६३ करोड़ रुपये के आयकर रिफंड घोटाले में चव्हाण के खिलाफ कार्रवाई की थी।

इस जांच के दौरान पता चला कि उन्होंने दादर, प्रभादेवी, ठाणे और पुणे में घर दिलाने का झांसा देकर कई लोगों को ठगा है।इस मामले की शिकायत मुंबई पुलिस को दी गई थी, जिसके बाद सायन में रहने वाले ५७ वर्षीय व्यवसायी केदार देगवेकर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।

चौंकाने वाली बात यह है कि करंदीकर जिस सरकारी आवास में रहती हैं, उसी बिल्डिंग के ऊपरी मंजिल पर स्थित फ्लैट में बुलाकर चव्हाण ने लोगों को ठगा। फर्जी दस्तावेज बनाकर किया करोड़ों का घोटाला ईडी को सबसे पहले २६३ करोड़ रुपये की आयकर रिफंड धोखाधड़ी में अनियमितता मिली थी।

जब जांच की गई तो पुरुषोत्तम चव्हाण, प्रसाद देसाई, संजय पाटिल, गणेश पाटिल, दीपक मोरे, एन.डी. निर्मले, गोविंद सावंत, शशांक लिमये, यशवंत पवार और सहायक उपनिबंधक सहित परेल-सेवरी स्टांप रजिस्ट्रेशन कार्यालय के अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई।

इन सभी पर भारतीय दंड संहिता की धारा ४२० (धोखाधड़ी), ४१९ (जालसाजी), ४६५ (जाली दस्तावेज बनाना), ४६७ (कीमती सुरक्षा दस्तावेजों की जालसाजी), ४६८ (धोखाधड़ी के इरादे से जालसाजी), ४७१ (फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल), १२०इ (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कैसे की गई धोखाधड़ी?

एफआईआर के अनुसार, चव्हाण ने मंत्रालय और अन्य सरकारी विभागों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए सरकारी कोटे की संपत्तियों (जमीन और फ्लैट) को रियायती दरों पर बेचने का झांसा दिया।उन्होंने अन्य आरोपियों के खातों के जरिए पीड़ितों से पैसे लिए और उनके नाम पर फर्जी रजिस्ट्रेशन दिखाया। उन्होंने ठाणे-५ स्थित उपनिबंधक कार्यालय और परेल-सेवरी स्थित स्टांप पंजीकरण कार्यालय में रजिस्ट्री दिखाने का नाटक किया। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए और पीड़ितों को असली बताकर उनके फोटो और प्रतियां साझा कीं।चव्हाण ८ महीने से ईडी की हिरासत में २६३ करोड़ रुपये के आयकर रिफंड घोटाले में शामिल होने के कारण ईडी ने पिछले साल मामला दर्ज किया था। पूर्व आयकर अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद २० मई को चव्हाण को गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल जेल में है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अब धोखाधड़ी के इस मामले में भी जल्द ही उसे हिरासत में लिया जाएगा।

बालू माफिया और एसपी के बीच अवैध खनन न करने का समझौता

५१ लोगों को चेतावनी, २६ पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

बीड, १ फरवरी (प्रतिनिधि) -

बालू (रेत) परिवहन हमेशा चर्चा का विषय रहा है, लेकिन इस समस्या का हल निकालने के लिए एसपी नवनीत कावत ने एक अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने ५१ बालू माफियाओं को अपने कार्यालय बुलाकर मार्गदर्शन किया और २६ लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

इसके अलावा, इन सभी से एक बॉन्ड लिखवाया गया कि वे आगे से अवैध रेत खनन और परिवहन नहीं करेंगे।

इसे एक तरह से समझौता ही माना जा रहा है, और इस फैसले की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। बालू तस्करी पर एसपी का नया तरीका

जिले में अन्य अवैध धंधों के साथ-साथ अवैध बालू परिवहन एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इस पर कई बार कार्रवाई की गई, लेकिन यह धंधा कभी बंद नहीं हुआ। पहले तो बालू माफियाओं ने हफ्ता वसूली का रेट कार्ड तक जारी कर हड़कंप मचा दिया था। हमेशा यह आरोप लगाया जाता रहा है कि इस धंधे में राजस्व विभाग और पुलिस की मिलीभगत है, इसलिए इसे रोका नहीं जा सकता। इसी समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए बीड के एसपी नवनीत कावत ने एक नया तरीका अपनाया। ५१ माफियाओं को बुलाकर ली गई लिखित गारंटी शनिवार (१ फरवरी) को एसपी नवनीत कावत ने ५१ बालू माफियाओं को कार्यालय बुलाया और उनसे खुद बातचीत की। उन्होंने माफियाओं को समझाया कि अब से अवैध खनन और परिवहन नहीं करना है। इसके अलावा, उनसे एक बॉन्ड पर लिखवाया गया कि अगर वे दोबारा पकड़े गए तो बॉन्ड में दर्ज राशि सरकारी खाते में जमा करनी होगी। इस वजह से इसे समझौता माना जा रहा है और यह जिले में चर्चा का विषय बन गया है। २६ लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, कड़ी सजा की चेतावनी

इससे पहले २६ लोगों पर पहले ही कानूनी कार्रवाई हो चुकी थी, इसलिए उन पर अब प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। अगर किसी पर अधिक अपराध दर्ज हैं तो उन्हें जिला बदर (हद्दपार) किया जाएगा, और उन पर चझऊ (महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डेंजरस एक्टिविटीज) और मकोका जैसी सख्त धाराएं लगाई जाएंगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि इस अनोखी पहल का क्या असर पड़ता है। फिलहाल, इस अनोखे प्रयोग की पूरे जिले में जोरदार चर्चा हो रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com